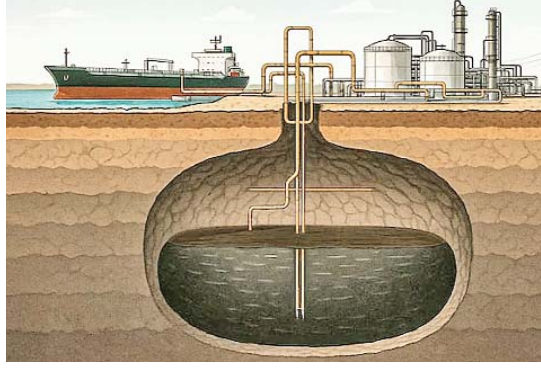


विश्व में तेल संकट, लेकिन सीक्रेट गुफाओं में छिपा भारत का तेल भंडार

● नई दिल्ली / राज न्यूज नेटवर्क

ईरान और इजराइल के बीच जारी भीषण युद्ध ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को हिलाकर रख दिया है। स्टेट ऑफ होमुज के बंद होने से दुनिया भर में तेल की आपूर्ति बाधित हुई है। भारत के लिए भी यह स्थिति चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि देश अपनी लगभग 90 फीसदी कच्चे तेल की जरूरत आयात के जरिए पूरी करता है। इसके अलावा एलपीजी का लगभग 60 फीसदी और एलएनजी का करीब 50 फीसदी भी निर्यात से आता है।



हालांकि भारत ने अपनी दूरदर्शी रणनीति और 'इंडिया फर्स्ट' नीति के दम पर खुद को इस बड़े झटके से बचा लिया है, जहाँ पड़ोसी देश पाकिस्तान 'लॉकडाउन' जैसी स्थिति में है, वहीं भारत अपनी 'सीक्रेट ऑयल केव्स' यानी भूमिगत तेल गुफाओं

भारत के पास 25 दिनों का तेल भंडार

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के मुताबिक, भारत के पास फिलहाल करीब 25 दिनों का कच्चा तेल भंडार मौजूद है। इसके अलावा पेट्रोल और डीजल का स्टॉक भी लगभग 25 दिन तक चल सकता है। रूसी गैस यानी एलपीजी की उपलब्धता 25-30 दिनों तक बनी रह सकती है, जबकि उद्योगों में इस्तेमाल होने वाली एलपीजी का भंडार लगभग 10 दिनों का है।

तेल आयात के नए स्रोत

ईरान युद्ध के बाद भारत ने अपने तेल आयात के स्रोतों को और अधिक विविध बनाया है। सरकार के मुताबिक अब भारत करीब 40 देशों से कच्चा तेल आयात कर रहा है, जिनमें यूरोप, लैटिन अमेरिका और पश्चिम अफ्रीका शामिल हैं। अब भारत के करीब 70 फीसदी तेल आयात ऐसे समुद्री मार्गों से आ रहे हैं जो स्ट्रेट ऑफ होमुज पर निर्भर नहीं हैं, जबकि पहले यह हिस्सा करीब 50-55 फीसदी था। भारत की ऊर्जा रणनीति में रूस से आयात होने वाला तेल भी अहम भूमिका निभा रहा है।

भारत की गुप्त भूमिगत तेल गुफाएं तीन स्थानों पर

भारत की ऊर्जा सुरक्षा का सबसे अहम आधार उसकी भूमिगत रणनीतिक तेल भंडार गुफाएं हैं। ये तीन प्रमुख स्थानों पर बनाई गई हैं - विशाखापत्तनम, मंगलूरु और पणदुर में। इन गुफाओं को भारतीय सामरिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड ने विकसित किया है। इनकी कुल क्षमता 5.33 मिलियन मीट्रिक टन (करीब 4 करोड़ बैरल) है, जो भारत की लगभग 10 दिनों की जरूरत पूरी कर सकती है। इन भूमिगत भंडारों की खोजियात यह है कि ये उद्योग या मिसाइल हमलों से सुरक्षित रहें। प्राकृतिक अपवादाओं से कम प्रभावित होते हैं, आग या तेल रिसाव का खतरा कम होता है। सरकार ने अभी तक इन रणनीतिक भंडारों का इस्तेमाल नहीं किया है। जरूरत पड़े पर ये आपूर्ति संकट के दौरान एक सुरक्षा कवच का काम कर सकेंगे।

पीएम ने केरलम में किया फ्लोटिंग सौर परियोजना का शिलान्यास

● नई दिल्ली / राज न्यूज नेटवर्क

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को केरलम के पश्चिम कल्लाड में 50 मेगावाट क्षमता वाली फ्लोटिंग सौर ऊर्जा परियोजना का शिलान्यास किया। यह परियोजना नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की सोलर पार्क योजना के अंतर्गत अग्रणी नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम एनएचपीसी द्वारा



अधिक का निवेश किया जाएगा। पीएम मोदी ने एनकुलम, केरल में विकसित केरलम-विकसित भारत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए 10,800 करोड़ की लागत वाली अवसरवाची प्रोजेक्ट का शिलान्यास एवं उद्घाटन भी किया। पीएम मोदी ने कहा कि यह परियोजना भारत के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी और देश की सार्वतंत्र्य और नवीन-संरत ऊर्जा भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करेगी।

50 मेगावाट की इस परियोजना में होगा 260 करोड़ का निवेश

इसके प्रति प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करेगी।

पद संभाला, पहले संदेश में इजराइल-यूएस पर भड़के

मोजतबा बोले - हर मौत का बदला लेंगे, जरूरत पड़ी तो खोलेंगे मोर्चा

● तेहरान / राज न्यूज नेटवर्क

ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने पद संभालने के बाद अपने पहले संदेश में ही अमेरिका और इजरायल को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि हालिया हमलों में मारे गए ईरानियों की हर मौत का बदला लिया जाएगा और जरूरत पड़ने पर संघर्ष के नए मोर्चे भी खोले जा सकते हैं।



शांति व स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध: मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति से की बात

नई दिल्ली, (आरएनएन)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेइक्रियन से बातचीत की है। इस दौरान दोनों नेताओं ने क्षेत्र की मौजूदा स्थिति और सुरक्षा हालात पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने ईरानी राष्ट्रपति से क्षेत्र में पैदा हुई भीषण स्थिति पर बातचीत की। पीएम मोदी ने लिखा सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि मैंने राष्ट्रपति डॉ मसूद पेजेइक्रियन से क्षेत्रीय हालात पर चर्चा की।

लेकिन जब तक यह पूरी तरह पूरा नहीं हो जाता, तब तक यह ईरान की प्राथमिकता बना रहेगा। अपने संदेश में मोजतबा खामेनेई ने कहा कि ईरान की सैन्य रणनीति केवल रक्षात्मक नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जरूरत पड़ी तो मौजूदा संघर्ष के दौरान अन्य मोर्चे भी खोले जा सकते हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में तनाव और बढ़ सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान पड़ोसी देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाना जारी रखेगा, जहाँ से ईरान के खिलाफ हमले किए जा रहे हैं। यदि संदेश में ईरान के नए सर्वोच्च नेता ने क्षेत्र में सक्रिय 'प्रतिरोध मोर्चे' के लड़ाकों को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने यमन के हूती विद्रोहियों, लेबनान के हिजबुल्लाह और ईराक के सशस्त्र समूहों का जिक्र करते हुए कहा कि ये सभी ईरान के साथ खड़े हैं।

यूएस न्यूक्लियर वॉरशिप गेराल्ड फोर्ड में लगी आग नई दिल्ली, (आरएनएन)। ईरान वॉर में शामिल अमेरिका के सबसे बड़े युद्धपोत एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड (सीवीएन-78) में आग लग गई है। आग युद्धपोत के मुख्य लाइव्री में लगी है। दुनिया के सबसे बड़े युद्धपोत में शामिल यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड इस वक्त लाल सागर में खड़ा है। इस युद्धपोत को अमेरिकी सेना ईरान पर प्रहार करने के लिए बेस के तौर पर इस्तेमाल कर रही है। यूएस नेवी का दावा है कि जहाज के प्रोपल्शन प्लांट को कोई नुकसान नहीं हुआ है, और एयर क्राफ्ट कैरियर पूरी तरह से चालू है। आग की इस घटना में दो अमेरिकी सैनिक जल गए हैं। उनका इलाज किया जा रहा है। अमेरिका के अनुसार ने उनकी जखम जानलेवा नहीं हैं और उनकी हालत स्थिर है।

दावा, ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा बोले

मौडिल-ईस्ट में जारी तनाव के बीच ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई के कोमा में होने का दावा किया जा रहा है। मोजतबा 28 फरवरी को इजराइल-अमेरिका की एयर स्ट्राइक में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। ब्रिटिश मीडिया द सम की रिपोर्ट के मुताबिक इस हमले में मोजतबा को इतनी गंभीर चोट आई थी कि उनका एक पैर काटना पड़ा और टैंक-लिवर को भी नुकसान पहुंचा है। इसलिए वह कोमा में है। मोजतबा ने अपने पिता और ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की मौत के बाद 9 मार्च को सुप्रीम लीडर का पद संभाला था।

सोशल मीडिया वेबसाइट एक्स पर पोस्ट किए गए। यूएस सेंट्रल कमांड के एक बयान में अमेरिकी सेना ने कहा है कि 12 मार्च को, यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड (सीवीएन- 78) में आग लग गई, जो जहाज की मेन लाइव्री की जगह से शुरू हुई थी। आग लगने का कारण लड़ाई से जुड़ा नहीं था और उसे काबू कर लिया गया है। जहाज के प्रोपल्शन प्लांट को कोई नुकसान नहीं हुआ है और एयरक्राफ्ट कैरियर पूरी तरह से चालू है।

मस्क का एक्स मनी पेमेंट सिस्टम अप्रैल में लांच होगा

वाशिंगटन, (आरएनएन)। एलन मस्क ने कन्फर्म कर दिया है कि एक्स मनी अगले माह अप्रैल में शुरुआती तौर पर पब्लिक एक्सेस के लिए चलाने में आ जाएगा। एलन मस्क ने एक पोस्ट में यह जानकारी शेयर की है। इससे प्रेक्टिस मिलता है कि पेमेंट सिस्टम का डेवलपमेंट टेस्टिंग फेज के करीब है। जो एक्स एप के लिए डेवलप किया जा रहा डिजिटल पेमेंट फीचर है। यह लॉन्च मस्क के उस प्लान का हिस्सा है जिसके तहत एक्स को सोशल नेटवर्किंग से आगे बढ़ाकर फाइनेंशियल सर्विसेज को सीधे एप में लाने का प्लान बनाया जा रहा है। एक्स मनी इन-ऐप पेमेंट सिस्टम के रूप में डेवलप हो रहा है।

Advertisement for CAPRI GLOBAL HOUSING FINANCE LIMITED, featuring a table of housing finance products and contact information.

Advertisement for GRIHUM Real Estate, featuring a table of property listings with details like location, price, and features.

ओमकारा एसेट्स रिकस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड

Table listing real estate projects by Omkara Assets Restructuring Private Limited, including project names, locations, and contact details.